कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात

प्रिलिम्स के लिये:

कृषि एवं खाद्य उद्योग और निर्यात, कृषि निर्यात नीति 2018, बी 2 बी प्रदर्शनी, जीआई टैग, एपीडा।

मेन्स के लिये:

कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात को बढ़ावा देना

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (DGCI&S)** ने मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जुलाई 2022-23) के लिये भारत के कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात के आँकड़े जारी किये हैं।

- वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत DGCI&S, भारत के व्यापार सांख्यिकी और वाणिज्यिक सूचना के संग्रह, संकलन और प्रसार के लिये अग्रणी आधिकारिक संगठन है।

निष्कर्ष:

- कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात में चालू वित्त वर्ष (2022-23) के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) के दौरान पिछले वर्ष (2021-22) की समान अवधि की तुलना में 30 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- वर्ष 2022-23 के लिये कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की टोकरी हेतु 23.56 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- इस अवधि के दौरान फलों और सब्जियों के निर्यात में 4% की वृद्धि दर्ज की गई।
- बासमती चावल के निर्यात में 29.13% की वृद्धि देखी गई।
- समीक्षाधीन अवधि के दौरान गैर-बासमती चावल का निर्यात 9.24% बढ़कर 2.08 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।
- डेयरी उत्पादों के निर्यात में 61.91% की वृद्धि के साथ यह 247 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया।

कृषि, खाद्य उद्योग और निर्यात परिदृश्य:

- **परिचय:**
  - कृषि क्षेत्र भारत में आजीविका का सबसे बड़ा स्रोत है। भारत दुनिया में कृषि और खाद्य उत्पादों के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है।
    - वर्ष 2021-22 में भारत की कृषि क्षेत्र की विकास दर **पिछले वर्ष के 3.6% की तुलना में 3.9% होने** का अनुमान है।
  - भारत **चावल, गेहूँ, दालें, तिलहन, कॉफी, जूट, गन्ना, चाय, तंबाकू, मूँगफली, डेयरी उत्पाद, फल** आदि जैसे कई फसलों और खाद्यान्न का उत्पादन करता है।
  - भारत का कृषि क्षेत्र मुख्य रूप से **कृषि और संबद्ध उत्पादों, समुद्री उत्पादों, वृक्षारोपण एवं कपड़ा और संबद्ध उत्पादों** का निर्यात करता है।
- **सांख्यिकी:**
  - वर्ष 2021-22 के दौरान भारत ने **कुल कृषि निर्यात में 49.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर** का व्यापार किया, जिसमें वर्ष 2020-21 में 41.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर की तुलना में **20% की वृद्धि** हुई।
  - कृषि और संबद्ध उत्पादों के निर्यात का मूल्य 37.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जो वर्ष 2020-21 में 17% की वृद्धि दर्शाता है।
  - **चावल** भारत से सबसे ज़्यादा निर्यात किया जाने वाला कृषि उत्पाद है जिसका वर्ष 2021-22 के दौरान कुल कृषि निर्यात में 19% से अधिक का योगदान है।
- **निर्यात गंतव्य:**
  - भारत के कृषि उत्पादों के सबसे बड़े आयातक **अमेरिका, बांग्लादेश, चीन, संयुक्त अरब अमीरात,** इंडोनेशिया, वियतनाम, सऊदी अरब,

ईरान, नेपाल और मलेशिया हैं।
- अन्य आयात करने वाले देश **कोरिया, जापान, इटली और यूनाइटेड किंगडम** हैं।
- वर्ष 2021-22 के दौरान **संयुक्त राज्य अमेरिका भारतीय कृषि उत्पादों का सबसे बड़ा आयातक** था।
- संयुक्त अरब अमीरात के बाद **बांग्लादेश कृषि और संबद्ध उत्पादों का प्रमुख आयातक** है।
- अमेरिका तथा चीन भारत के **समुद्री उत्पादों के प्रमुख आयातक** हैं।

वृद्धि के प्रमुख कारक:

- **B2B प्रदर्शनियाँ:**
  - कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न पहलें की गई हैं जैसे कि विभिन्न देशों में **B2B (बिज़नेस टू बिज़नेस) प्रदर्शनियों का आयोजन, भारतीय दूतावासों की सक्रिय भागीदारी द्वारा उत्पाद-विशिष्ट और सामान्य विपणन अभियानों** के माध्यम से नए संभावित बाज़ारों की खोज करना।
- **कृषि निर्यात नीति, 2018:**
  - AEP का मुख्य उद्देश्य **निर्यात बास्केट और गंतव्यों में विविधता लाना, उच्च मूल्यवर्द्धित कृषि निर्यात को बढ़ावा देना, स्वदेशी, जैविक, पारंपरिक और गैर-पारंपरिक कृषि उत्पादों** के निर्यात को बढ़ावा देना है।
- **वित्तीय सहायता योजना:**
  - यह APEDA द्वारा निर्यात प्रोत्साहन योजना है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य निर्यात बुनियादी ढाँचे के विकास, गुणवत्ता विकास और बाज़ार विकास में व्यवसायों की सहायता करना है।
- **कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA):**
  - भारतीय शराब के निर्यात को बढ़ावा देने के लिये कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA) ने लंदन वाइन फेयर में 10 शराब निर्यातकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की।
- **GI और अन्य पहल:**
  - संयुक्त अरब अमीरात के साथ कृषि और खाद्य उत्पादों पर एवं संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ हस्तशिल्प सहित GI उत्पादों पर वर्चुअल क्रेता-विक्रेता बैठक का आयोजन कर भारत में पंजीकृत भौगोलिक संकेतक (GI) वाले उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये भी कई पहलें की गई हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन पिछले पाँच वर्षों में विश्व में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक रहा है? (2019)

(a) चीन
(b) भारत
(c) म्याँमार
(d) वियतनाम

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत इस दशक की शुरुआत से दुनिया का शीर्ष चावल निर्यातक रहा है, जिसका मुख्य कारण वर्ष 2011 में भारत सरकार द्वारा चावल की गैर-बासमती किस्मों के निर्यात पर प्रतिबंध हटाना है।
- भारत वर्ष 2011-12 में थाईलैंड की जगह दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक बन गया।

अतः विकल्प (b) सही है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/agricultural-and-processed-food-exports